Bajaj Sugar

Dec, 15-2023

#	Date	Headline	Media	Source	Edi/Prog	Byline
1	15-DEC	Ash of Bajaj Sugar Mill's became a boon for farmers	Print	Rashtriya Sahara	Lucknow	NA
2	15-DEC	Bajaj plant's ash became a boon for farmers	Print	Lucknow Reader	Lucknow	NA
3	15-DEC	Sugar mill ash became a boon for farmers	Print	Dainik Hint	Ghaziabad	NA

बजाज शुगर मिल की राख बनी किसानों के लिए वरदान

सहारनपुर (एसएनबी)। बजाज हिंदुस्तान शुगर मिल गागनोली की पहल से किसानों के खेतों की पैदावार लगातार बढ़ रही है। फैक्टरी से निकलने वाली राख किसानों के खेतों के लिए अमृत का काम कर रही है जिससे किसानों के चेहरों पर खुशी की लहर दिखाई पड़ रही है। ज्ञातव्य है कि फैक्टरी में पेराई के दौरान जो राख निकलती है, उसे खेतों में डालने से गन्ना एवं अन्य फसलों में हैरान कर देने वाला परिवर्तन देखने को मिल रहा है। किसानों को फैक्टरी से निःशुल्क राख प्राप्त हो रही है। इसे खेतों में छिड़काव कर खेतों को उपजाऊ बनाया जा रहा है। फैक्टरी से प्राप्त राख में कार्बन एवं पोटाश की मात्रा ज्यादा होती है, जिसे खेतों में छिड़काव करने से भूमि में पोटाश एवं कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है। गंगनौली फैक्टरी के नवादा गांव के किसान विपिन से बात करने पर उन्होंने बताया कि बजाज फैक्टरी से मिल राख हमारे खेतों के लिए अमृत का काम कर रही है।

खेतों में शुगर मिल की राख के प्रभाव की जानकारी देता किसान

हरवेश मलिक की सराहनीय पहल से राख बनी अमृत : गंगनौली बजाज शुगर मिल के वर्तमान यूनिट हेड हरवेश मलिक ने किसानों के खेतों में राख डालने की शुरुआत वर्ष-2010 में बजाज के कुंदरकी प्लांट से शुरू की थी, जिससे कुंदरकी प्लांट के आसपास के क्षेत्र में किसानों की फसलों में काफी परिवर्तन देखने को मिला। अपनी इस पहल को समय के साथ हरवेश मलिक ने बजाज के किनौनी प्लांट में आगे बढ़ाया और अब वर्तमान में गंगनौली प्लांट में भी अपनी इस अनूठी मुहिम को जारी रखे हुए हैं। राख में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के बारे में हरवेश मलिक ने बताया कि राख में कार्बन एवं पोटाश की मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जो खेतों को उपजाऊ बनाते हैं। साथ ही पौधों में अच्छी पैदावार के साथ डबल ड्रिलिंग होती है एवं गन्ने की फसल में अच्छी रिकवरी प्राप्त होती है।

बजाज प्लांट की राख बनी किसानों के लिए वरदान

दैनिक लखनऊ रीडर
रियाज अहमद सहारनपुर

बजाज हिंदुस्तान शुगर फैक्ट्री गंगनौली की पहल से किसानों के खेतों में फसलों की पैदावार लगातार बढ़ रही है। ज्ञातव्य है की फैक्ट्री में पेराई के दौरान जो राख निकलती है उसे खेतों में डालने से गन्ना एवं अन्य फसलों में हैरान कर देने वाला परिवर्तन देखने को मिल रहा है। किसानों को फैक्ट्री से निःशुल्क राख प्राप्त हो रही है। इसे खेतों में छिड़काव कर खेतों को उपजाऊ बनाया जा रहा है। फैक्ट्री से प्राप्त राख में कार्बन एवं पोटाश की मात्रा ज्यादा होती है। जिसे खेतों में छिड़काव करने से भूमि में पोटाश एवं कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है। साथ ही यह मिट्टी की संरचना को भी सुदृढ़ एवं जल धारण की क्षमता को भी बढ़ाता है। जिससे पैदावार अच्छी होती है। फैक्ट्री से मुफ्त में मिली राख के चलते गंगनौली

फैक्ट्री में राख लेने के लिए काफी संख्या में किसान आ रहे हैं। गंगनौली फैक्ट्री के नवादा गांव के किसान विपिन से बात करने पर उन्होंने बताया कि बजाज फैक्ट्री से मिल राख हमारे खेतों के लिए अमृत का काम कर रही है। बजाज फैक्ट्री का किसानों की तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद। गंगनौली बजाज शुगर मिल के वर्तमान युनिट हेड हरवेश मलिक ने किसानों के खेतों में राख डालने की शुरूआत वर्ष-2010 में बजाज के कुंदरकी प्लांट से शुरू थी। जिससे कुंदरकी प्लांट आसपास के क्षेत्र में किसानों की फस में काफी परिवर्तन देखने को मिल अपनी इस पहल को समय के स मलिक जी ने बजाज के किनौनी प्ल में आगे बढ़ाया और अब वर्तमान गंगनौली प्लांट में भी अपनी इस अनु मुहिम को जारी रखे हुए हैं। राख में प जाने वाले पोषक तत्वों के बारे हरवेश मलिक ने बताया कि राख कार्बन एवं पोटाश की मात्रा ज्यादा प जाती है, जो खेतों को उपजाऊ बन हैं। साथ ही पौधों में अच्छी पैदावार साथ डबल ड्रिलिंग होती है एवं ग की फसल में अच्छी रिकवरी प्राप्त हो है। राख के खेतों में उपयोग से फस को कीट पतंगों से बचाव होता है।

कृषि | मिल की राख खेतों में डालने से गन्ना एवं अन्य फसलों में दिख रहा है हैरान कर देने वाला परिवर्तन

चीनी मिल की राख किसानों के लिए बनी वरदान

संरचना

- राख में कार्बन एवं पोटाश की ज्यादा मात्रा होने से मिट्टी की संरचना सुदृढ़ एवं जल धारण की बढ़ती है क्षमता
- किसानों को निःशुल्क दी जा रही है राख, फसलों में हैरत करने वाले

संजीव विश्वकर्मा

नागल। बजाज हिंदुस्तान शुगर फैक्ट्री गांगनौली की एक पहल से किसानों के खेतों में फसलों की पैदावार लगातार बढ़ रही है। फैक्ट्री में पेराई के दौरान जो राख निकलती है, उसे खेतों में डालने से गन्ना एवं अन्य फसलों में हैरान कर देने वाला परिवर्तन देखने को मिल रहा है। इसी कारण किसानों को अब फैक्ट्री से निःशुल्क राख दी जा रही है।

गंगनौली बजाज शुगर मिल के यूनिट हेड हरवेश मलिक का कहना है कि मिल की राख का खेतों में छिड़काव करने से खेतों को अधिक उपजाऊ बनाया जा सकता है। फैक्ट्री से प्राप्त राख में कार्बन एवं पोटाश की मात्रा ज्यादा होती है, जिसे खेतों में छिड़काव करने से भूमि में पोटाश एवं कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है। साथ ही यह मिट्टी की संरचना को भी सुदृढ़ एवं जल धारण की क्षमता को बढ़ाती है, जिससे अच्छी पैदावार होती है। उन्होंने बताया कि फैक्ट्री से मुफ्त में दी जा रही राख के चलते गांगनौली फैक्ट्री में राख लेने के लिए बड़ी संख्या में किसान आ रहे हैं। वहीं गांगनौली फैक्ट्री के नवादा गांव के किसान विपिन का कहना है कि बजाज फैक्ट्री से मिल रही राख हमारे खेतों के लिए अमृत का काम कर रही है। इसके लिए बजाज फैक्ट्री प्रबंधन को साधुवाद।

हरवेश मलिक की पहल से राख बनी अमृत

गंगनौली बजाज शुगर मिल के यूनिट हेड हरवेश मलिक ने किसानों के खेतों में राख डालने की शुरूआत वर्ष-2010 में बजाज के कुंदरकी प्लांट से शुरू की थी, जिससे कुंदरकी प्लांट के आसपास के क्षेत्र में किसानों की फसलों की पैदावार एवं गुणवत्ता में काफी परिवर्तन देखने को मिला। इसके बाद हरवेश मलिक ने अपनी इसी पहल को समय के साथ बजाज के किनौनी प्लांट से जुड़े किसानों के लिए आगे बढ़ाया और अब गांगनौली प्लांट में भी अपनी इस अनूठी मुहिम को शुरू किया है। राख में पाए जाने वाले पोषक तत्वों के बारे में हरवेश मलिक ने बताया कि राख में कार्बन एवं पोटाश की मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जो खेतों को उपजाऊ बनाते हैं। साथ ही पौधों में अच्छी पैदावार के साथ डबल ड्रिलिंग होती है एवं गन्ने की फसल से अच्छी रिकवरी प्राप्त होती है।